वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 199 | शुक्रवार 15 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

स्वास्थ्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता स्पष्ट, प्रदेश की 88 प्रतिशत आबादी स्वास्थ्य बीमा से कवर, वर्ष 2024-25 में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अब तक का सर्वाधिक बजट आवंटनः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

सरकार जल्द ही मेडिकल वैल्यू ट्रैवल पॉलिसी और नई फार्मा पॉलिसी लाएगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश की गई एक-एक पाई लोगों के दुःख-दर्द दूर करेगी

'राइजिंग राजस्थान' हेल्थ प्री-समिट में 16,176 करोड रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, स्वास्थ्य क्षेत्र में अब तक 25,400 करोड रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर। मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, मेडिपार्क, फार्मा, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा संस्थानों के विकास के लिए निवेशकों ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में गुरूवार को राइजिंग राजस्थान स्वास्थ्य प्री-समिट में स्वास्थ्य, चिकित्सा और आयुष क्षेत्र के निवेशकों के साथ 16,176 करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किये। समिट में हुए एमओयू के साथ ही ''राइजिंग राजस्थान'' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के तहत स्वास्थ्य क्षेत्र में हस्ताक्षरित कुल निवेश प्रस्तावों का आंकड़ा 25,400 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। राजनिवेश पोर्टल पर अब तक 57 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। प्री-समिट में किए गये एमओयू में चिकित्सा एवं चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र के लिए 14,000 करोड़ रुपये के निवेश एमओयू हुए, जबकि आयुष क्षेत्र में 2,157 करोड़ रुपये के निवेश एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। राजनिवेश पोर्टल पर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र में अब तक प्राप्त 57,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के धरातल पर आने से राज्य में 6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। एमओयू के जरिए निवेशकों ने जयपुर, अजमेर, जोधपुर, राजसमंद, सीकर, सिरोही सहित विभिन्न जिलों में फार्मा इकाइयां, मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, नर्सिंग कॉलेज, होम्योपैथी और आयुर्वेद कॉलेज, आयुष अनुसंधान पंचकर्म केंद्र, उन्नत आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। इस अवसर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में इन्वेस्टमेंट समिट आयोजित कर हमारी सरकार ने अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है कि हम न केवल एमओयू पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं, बल्कि अगले 3-4 वर्षों में उन्हें धरातल पर भी उतारने जा रहे हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के छोटे और बड़े सभी निवेशकों को स्वागत है, क्योंकि वे सभी जमीनी स्तर पर आम नागरिक की सेवा करेंगे और स्वस्थ एवं समृद्ध प्रदेश की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आयुष क्षेत्र में हुए 2,157 करोड़ रुपये के एमओयू पर प्रसन्नता

आयुष क्षेत्र में हुए 2,157 करोड़ रुपये के एमओयू पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि हमने आयुष क्षेत्र में बड़ी संख्या में एमओयू किए हैं। आयुष न केवल भारत की विरासत और पहचान है, बल्कि यह दुनिया के सामने भारतीय संस्कृति और सदियों पुराने ज्ञान को भी प्रदर्शित करता है। दुनियाभर के लोग आयुष की ओर आकर्षित हो रहे हैं और आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के बारे में जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता स्पष्ट है। राज्य की 88% आबादी स्वास्थ्य बीमा के दायरे में है, जो देश में सबसे अधिक है। राज्य के 2024-25 के बजट में भी स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र के लिए अब तक का सबसे अधिक 28,000 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है, जो राज्य के कुल बजट का 8.26% से अधिक है। प्रदेश में मेडिकल वेल्यू ट्रेवल के क्षेत्र में भी काफी संभावनाएं है। इसे देखते हुए राज्य सरकार जल्द ही मेडिकल वेल्यू ट्रैवल पॉलिसी एवं फार्मा सेक्टर के विकास के लिए नई फार्मा पॉलिसी लाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा स्वास्थ्य का क्षेत्र सीधा जनसेवा से जुड़ा हुआ है। इसमें निवेश की गई एक-एक पाई लोगों के दुःख-दर्द दूर करने का काम करेगी और उनके चेहरों पर मुस्कान लाएगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में योगदान देने वाला व्यक्ति मानवता की सेवा कर रहा है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में एमओयू पर हस्ताक्षर किया जाना माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के नेतृत्व में सरकार द्वारा पिछले 11 महीनों में शुरू की गई नीतियों के प्रभावों को दर्शाता है। ये नये निवेश न केवल राज्य में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए नए स्वास्थ्य सेवा संस्थान, मेडिकल कॉलेज और वेलनेस सेंटर लाएंगे, बल्कि युवाओं के लिए लाखों रोजगार के अवसर भी पैदा करेंगे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौर ने कहा कि राजस्थान अपनी भौगोलिक स्थिति, आकर्षक नीतियों और कुशल मानव संसाधन के कारण स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में निवेश का एक प्रमुख डेस्टीनेशन बन गया है। प्रसव से लेकर पैलिएटिव देखभाल तक, जीवन के सभी चरणों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम को भारत सरकार के आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, राजस्थान सरकार के आयुर्वेद विभाग के प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा, इंडो यूरोपियन सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स प्रोजेक्ट्स के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. विवेक गुप्ता, आंध्र प्रदेश मेडटेक जोन लिमिटेड के एमडी और संस्थापक सीईओ डॉ. जितेंद्र शर्मा, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र के कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल (प्रोफेसर) अतुल कोतवाल शामिल थे।

पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव में जैन तीर्थंकर आदिनाथ भगवान का मनाया जन्म कल्याण

ऐतिहासिक शोभायात्रा के साथ गूंज उठे आदिनाथ के जयकारे

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव पर पिड़ावा बनी धर्ममय अयोध्या नगरी

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। गुरुवार को सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वाधान में आयोजक मुमुक्ष मण्डल, जैन युवा फैडरेशन, वितराग विज्ञान पाठशाला एवं मोक्षायतन ट्रस्ट के द्वारा पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ के तीसरे दिन भगवान आदिनाथ का जन्म उत्सव मनाया गया। जिसमें पिड़ावा नगरी धर्ममय अयोध्या नगरी बन गई। समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि प्रतिष्ठाचार्य अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पंडित रजनी भाई दोषी हिम्मतनगर, पं.संजय झेवर, पं.मनिष शास्त्री के कुशल निर्देशन व देश के विशिष्ट स्थानों से पधारे श्रेष्ठी और विद्वानों के सानिध्य में पंच कल्याणक के माध्यम से ज्ञान की गंगा बह निकली। गुरुवार को जन्मकल्याणक की शोभायात्रा में हजारों श्रावक श्राविकाओं की तादाद में अपार जन समूह उमड़ा। जन्म कल्याणक महोत्सव की शोभायात्रा पंचकल्याण स्थल से शुरू हुई। जिसमें सारे श्रावक-श्राविकाओं बच्चे झूम झूम के भक्ति करते हुवे चल रहे थे। शोभायात्रा आगे बढ़ रही थी वैसे ही अपार जन समूह बढ़ता जा रहा था। नगर को दुल्हन की तरह सजाया गया और बैंड बाजे, ढोल पर श्रावक- श्राविका भक्ति करते हुए व महिला मंडल के कई ग्रुप भक्ति करते हुए चल रहे थे युवक- युवतियां भी नृत्य करती हुई चल रही थी।

ये रहे आकर्षण का केंद्र

भव्य पंच कल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें मुख्य आकर्षण पुणेरी ढोल, श्याम बैंड इंदौर, पारस बैंड कचालिया, आकर्षक रंगोली, आदिवासी नृत्य, कथकली नृत्य, उड़िसा, तमिलनाडु की झांकियां रही। इसके अलावा शोभायात्रा में दो कुत्रिम ट्रैक्टर हाथी पर बालआदि तीर्थंकर के माता-पिता सोधर्म इन्द्र धनेश शाह, इंद्राणी दीपा बहन, धनपति कुबेर राकेश प्रेमी व 20 बग्गीयो में इंद्र इंद्राणी सवार होकर चल रहे थे। इन्दौर के श्याम बैण्ड व डग का बैण्ड ने शानदार प्रस्तुति दी व संगीतकार गायक अभिनन्दन प्रेमी के भजनों पर भक्तगणो ने झुम झुमकर भक्ति की गई। भारत देश के लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी कोटा से बधाई संदेश भेजा।

भगवान का किया अभिषेक: पंच कल्याणक स्थल नायरा पेट्रोल पंप के पीछे ग्रीन वेली रिसोर्ट के पास कल्याणपुर रोड पर प्रातः जाप अनुष्ठान, अभिषेक, नित्य नियम पूजन, जन्म कल्याणक की पूजन के बाद इन्द्र सभा व राज्य सभा लगाई गई व बालक आदि कुमार के जन्म की घोषणा हुई। भगवान आदिनाथ की जयकारों से पूरा पांडाल गूंज उठा। कई तरह के वाद्य यंत्रों को बजाकर के भगवान के जन्म उत्सव की खुशियां मनाई गई। शोभायात्रा पांडुरशीला स्थल पहुंची जहां बालक तीर्थंकर को बिठा कर अभिषेक किया गया। जो सर्व प्रथम सौधर्म इन्द्र धनेश शाह व प्रथम जन्माभिषेक कलश डॉ.अजित कुम्भराज-उज्जैन व जिन मन्दिर निर्माण सहयोगी मणिभाई कारिया मुंबई, संजय प्रेमी पिड़ावा, निरंजन भाई डेलीवाला सुरेन्द्र नगर, महेंद्र भाई शाह मुंबई, सुनील गाधी पुणे व धनपति कुबेर राकेश प्रेमी ने किया।

महाराजा नाभिराय का दरबार लगा

महाराजा नाभिराय का दरबार सजाया गया। सौधर्म अपनी रानी शचि के साथ नाभिराय के दरबार में पहुंचे और भगवान के जन्म उत्सव की बधाई दी। रानी शचि माता मरु देवी के प्रसूति गृह में पहुंचकर बालक तीर्थंकर को लेकर आती है। सौधर्म इन्द्र एक हजार नेत्र बनाकर भगवान के दर्शन करते हैं खुशी से तांडव नृत्य करते हैं कुबेर खुशी से नाचते हुए पूरे पांडाल में अपना खजाना लुटाते हैं। कुबेर ने रत्नों की वर्षा की गई ऐसा माना जाता है कि भगवान के जन्म उत्सव पर कुबेर द्वारा लुटाए रत्न तिजोरी में रखने से धन की कमी नहीं होती है। भगवान की जन्मोउत्सव के अवसर पर भगवान-के माता पिता मीना जैन, सुनील कुमार जैन की और से वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया। रात्रि में जिनेन्द्र भक्ति, प्रवचन व शानदार रत्नमयी पालना झुलना का कार्यक्रम हुआ।

जीव दया: पंच कल्याणक प्रतिष्ठा समिति के द्वारा बाल तीर्थंकर आदि कुमार (भगवान के जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर जीव दया करते हुवे सभी गौशालाओं में चारा, पक्षियों के लिए दाना, चींटियों के लिए दाना, कुत्तों के लिए जलेबी पूड़ी खिलाई गई। वही पूरे पिड़ावा नगर में 800 किलो देशी घी के लड्डूओ का वितरण किया गया। 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी ने भी यही उपदेश दिया कि जीवों और जिने दो। सभी जीवों पर दया करो।

6 विदेशी सहित देश के कोने-कोने से पहुचे साधर्मी पंच कल्याण महोत्सव में

पंचकल्याण महोत्सव में विदेश सहित देश के कई शहरों व गांव के श्रावक, श्राविकाओ ने

सम्मिलित होकर भगवान के जन्म उत्सव पर पिड़ावा नगर में चार चांद लगा दिए। पंच कल्याण महोत्सव में अमेरिका, लंदन, आस्ट्रेलिया, कनाडा दुबई, यूके, बेंगलोर, मद्रास, चेन्नई, कलकत्ता, मुंबई, राजकोट, सूरत, जामनगर, अहमदाबाद, दिल्ली, जयपुर, सोनगढ़, सुरेन्द्र नगर, केरल, कोटा, इंदौर, झालावाड़, भोपाल, इन्दौर, उज्जैन,आगर, सुसनेर, मोडी, नलखेड़ा, अमरकोट, सोयत, बोलियां, आवर, रामगंज मंडी, भवानीमण्डी, झालरापाटन, रटलाई, कड़ोदिया, सुनेल, मगिंसपुर, ढ़ोला, कोटड़ी, खारपाकला सहित देश के कोने कोने से पंच कल्याण महोत्सव में भाग लेने पहुचे।

ये रहे मुख्य अतिथि

स्वप्निल जैन मंगलायतन अलीगढ़, महिपाल ज्ञायक बांसवाड़ा, चंपालाल भंडारी बंगलौर, विजय बड़जात्या, अशोक वाघर जामनगर, आईएस जैन मुंबई, निरंजन भाई डेली वाला सुरेंद्रनगर, ज्ञायक पुनोत्तर यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका सहित कई मुख्य अतिथि रहे।

श्री सुनील-श्रीमती सुनिता जी गोदिका

उपाध्यक्ष दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - रानी पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी डिस्ट्रिक्ट ब्रांच उदयपुर द्वारा बाल दिवस पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी डिस्ट्रिक्ट ब्रांच उदयपुर द्वारा बाल दिवस पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के अंतर्गत डिस्ट्रिक्ट ब्रांच उदयपुर रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रेसिडेंट डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर अरविंद पोसवाल एवं चेयरमैन डॉ.गजेंद्र भंसाली की अगुवाई में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उदयपुर पर संस्था के व्याख्याता डॉ. अंजू जैन के सहयोग से किया गया। जिसमे उनके साथ महाविद्यालय के छात्र छात्राओं सहित कुल 50 में से 15 यूनिट का रक्त दाताओं द्वारा रक्त दान किया गया बाकी बच्चों का हीमोग्लोबिन कम एवं वजन कम होने से उन्हें बेहतर स्वास्थ्य के लिए जानकारी उपलब्ध कराई गई। मानद सचिव सुनील गांग ने बच्चो को रक्तदान पर विशेष प्रोत्साहन दिया। महाराणा भूपाल चिकित्सालय से डॉ. सुरेश लखारा, डॉ.वंदना छाबड़ा, काउंसलर प्रमोद सिंह, नर्सिंग ऑफिसर ज्योति आमेटा, लैब टेक्नीशियन अतुल, मीनाक्षी सहायक नरेंद्र पटेल एवं मनोहर मीणा के साथ उनकी पूरी टीम का सहयोग रहा। इस मुहिम में महाविद्यालय के अध्यापकगण कर्मचारियों, स्टाफ एवं कई प्रतिभाशाली स्टाफ एवं युवा भी प्रेरणा स्त्रोत बने संस्था के सेवाभावी अध्यक्ष डॉ.गजेन्द्र भंसाली, संरक्षक नवल सिंह खमेसरा, मानद सचिव सुनील गांग, कोषाध्यक्ष राकेश बापना, शिविर संयोजक डॉ. विवेक वशिष्ठ, आजीवन सदस्य प्रेमलता मेहता, चंद्रकला आर्य, संस्था स्टाफ आजाद बोर्दिया, मुरली सोनी एवं सहायक की उत्कृष्ट सेवाएं रही। महाविद्यालय से डॉ.ज्योति कंठालिया, डॉ.अर्चना जैन, डॉ.सबा खान, डॉ.मनीष रावल, डॉ.कंचन पानेरी एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा। रक्तदाताओं को संस्था की ओर से स्मृति चिन्ह एवं रक्तदान प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मानद सचिव सुनील गांग ने सभी का धन्यवाद एवं अभिनंदन कर आभार व्यक्त किया एवं बताया कि रक्तविरो के सम्मान एवं उनके द्वारा मानव सेवा में अमूल्य योगदान पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

ऐलनाबाद में पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती मनाई

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहर के सिरसा रोड़ स्थित बस स्टैंड के सामने चौधरी साहब राम बाजार में कैप्टन अमरदीप सिंह के कार्यालय में आज आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र के समक्ष श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इसके साथ ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कैप्टन अमरदीप सिंह का जन्मदिन भी मनाया गया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष राम सिंह सोलंकी, समाजसेवी श्यामलाल जिंदल, दीपक गोयल,हैरिसन विलियम (जिला मिडिया कोर्डिनेटर यूथ कांग्रेस हरियाणा),सुरेंद्र धींगड़ा, सुखविंदर सिंह सामा, श्यामलाल शर्मा, रामनिवास नाई, डॉ. जगदीश सुथार,मोहनलाल, पुष्कर शर्मा, राजेंद्र प्रसाद, सतपाल जग्गा, लालचंद वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित हुए।

रथावर्तन महोत्सव के माध्यम से इंदौर जैन समाज इतिहास रचेगा

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर महानगर के इतिहास में प्रथम बार प्रमाणिक संत एवं शंका समाधान प्रवर्तक मुनि श्री प्रमाण सागर जी के सानिध्य में दिनांक 7 नवंबर से विजयनगर चौराहे पर निर्मित भव्य पंडाल में चल रहे संस्कृत भाषा में बीजाकक्षर मंत्रों के साथ 108 मंडलीय सिद्ध चक्र महामंडल विधान का समापन शुक्रवार को प्रातः 7:00 बजे से 108 स्वर्ण, रजत एवं काष्ठ निर्मित सुदर्शनीय रथों की शोभा यात्रा के साथ होगा। विधान में प्रतिदिन लगभग 5000 श्रावक श्राविकाओं ने इंद्र इंद्राणी के रूप में सिद्ध भगवान की आराधना की और विश्व शांति की कामना से आज 1024 अर्घ पंच परमेष्ठी के समक्ष मंडल जी पर समर्पित किये। विधान में सम्मिलित होने के लिए प्रदेश के विभिन्न शहरों से आए श्रद्धालुओं के अलावा लंदन ऑस्ट्रेलिया अमेरिका और दुबई आदि शहरों से भी श्रद्धालु आए और उन्होंने भी सिद्धों की आराधना की। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू अविनाश जैन ने बताया कि शोभा यात्रा में सम्मिलित रथों में विधान पुण्यारजक श्री जी को विराजमान कर बैठेंगे। शोभायात्रा में भजन मंडलीयां भजन गाते हुए, लोक नृत्य कलाकार नृत्य प्रस्तुत करते हुए एवं संगीतकार, बैंड बाजे, और विभिन्न शहरों से आए दिव्य घोष सुमधुर धुन एवं संगीतमय श्वर लहरियां गुंजायमान करेंगे।

वेद ज्ञान

सेवा से मिलती है आनंद की प्राप्ति

सेवा मानव-हृदय के भीतर उत्पन्न होने वाला वह मिशनरी भाव है, जिसका आविर्भाव, स्वहित की अपेक्षा लोकहित के उद्देश्य से निस्वार्थ रूप से हृदय-कमल में होता है। सेवा का उद्देश्य पाना नहीं, बल्कि प्राण-पण से अपना इष्टतम अपने आराध्य या अभीष्ट को समर्पित करना है। इसका पारितोषिक, भौतिक नहीं बल्कि अभौतिक और अनुभूतिपरक होता है। सेवा शाश्वत आनंद प्रदान करने वाली अनमोल और कभी न समाप्त होने वाली आंतरिक खुशी प्रदान करती है। सेवा से हृदय सर्वथा प्रफुल्लित और आनंदित रहता है। दूसरे अर्थों में सेवा से मिलने वाले सुख व आनंद की प्राप्ति का स्थान संसार का कोई भी भौतिक सुख या उपलब्धि नहीं ले सकती। नौकरी भी किन्हीं अर्थों में सेवा की ही अनुगामिनी या सहचर है, किंतु इससे मिलने वाला पारितोषिक भौतिक रूप में उपस्थित होकर क्षणिक सुख की सृष्टि रचता है और दूसरे ही क्षण इसकी प्राप्ति से अतृप्ति, असंतोष, निराशा, घृणा, पश्चाताप, चंचलता, अरुचि और अन्यान्य नकारात्मक भाव पैदा होने लग जाते हैं। नौकरी भौतिक उन्नति या प्राप्ति की प्रत्याशा से किया जाने वाला कार्य है, जिसमें समर्पण, अपनत्व, श्रद्धा व सेवा से कहीं अधिक स्वार्थपरायणता, भौतिक प्राप्ति की उत्कंठा या जिज्ञासा समाहित रहती है। नौकरी से मिलने वाले पारितोषिक से जीवन की खुशी का ग्राफ ऊपर-नीचे होकर मन को उसी अनुपात में सुख-दुख, खुशी-पश्चाताप का सुफल या कुफल देकर उद्वेलित-आंदोलित करता रहता है, लेकिन सेवा का पारितोषिक सदैव मन की जीर्ण-शीर्ण कुटिया को हरी-भरी कर सुख, आनंद व खुशी को बहुगुणित हर्षित-प्रफुल्लित रखता है। भौतिकता केंद्रित नौकरी संसार के भवसागर में गोते खाने के लिए बाध्य करती रहती है, जबकि स्वार्थरहित सेवा ईश्वर के साम्राज्य का राही बनाकर अलौकिक सुख और आनंद के लोक का मार्ग प्रशस्त करती है। सेवा ईश्वर का स्थाई सानिध्य पाने का आनंददायी मार्ग है। वहीं नौकरी स्वयं की प्रतिभा को भौतिक इच्छाओं को पूरा करने का साधन मात्र है। सच्ची सेवा, स्वयं के इस भौतिक अभिनय से जन्म-जन्मांतरों के बंधनों को काटकर, ईश्वर के साथ तादात्म्य स्थापित करने का एक स्थाई प्रमाणपत्र है।

संपादकीय

14 महीनों के सबसे ऊंचे स्तर पहुंच गई महंगाई

खुदरा महंगाई अक्तूबर में बढ़ कर पिछले चौदह महीनों के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान से भी ऊपर, 6.2 फीसद दर्ज हुई। रिजर्व बैंक काफी समय से खुदरा महंगाई को चार फीसद पर लाने की कोशिश कर रहा है। इसीलिए छह बार से वह अपनी मौद्रिक नीति को यथावत रखते हुए रेपो रेट को साढ़े छह फीसद पर बनाए हुए है। हालांकि रिजर्व बैंक को अनुमान था कि अक्तूबर में खुदरा महंगाई कुछ बढ़ेगी, मगर

छह फीसद से ऊपर चले जाने का उसे अनुमान नहीं था। इसकी वजह खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी बताई जा रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक अक्तूबर महीने में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खाने-पीने की चीजों की महंगाई 10.87 फीसद रही, जो कि पिछले पंद्रह महीनों में सबसे अधिक है। हालांकि त्योहारी मौसम होने के कारण औद्योगिक उत्पादन में कुछ बढ़ोतरी दर्ज हुई और वह 3.1 फीसद पर पहुंच गया है, जबकि अगस्त महीने में इसमें चिंताजनक गिरावट दर्ज हुई थी। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि थोक और खुदरा महंगाई के बीच किस कदर अंतर और असंतुलन है। खुदरा महंगाई की मार सबसे अधिक निम्न और मध्यम आयवर्ग पर पड़ती है। रोजमर्रा उपयोग होने वाली वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी बहुत सारे लोगों के दैनिक उपभोग और उनके पोषण पर प्रतिकूल प्रभाव छोड़ती है। अनुमान है कि अभी कम से कम एक वर्ष तक खुदरा महंगाई के रुख में नरमी के आसार नहीं हैं। यानी बैंक दरों में बदलाव की आस लगाए लोगों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। रिजर्व बैंक का तर्क है कि बैंक दरें ऊंची रखने से महंगाई पर काबू पाने में काफी मदद मिली है। मगर पिछली छह मौद्रिक समीक्षाओं में इसका कोई उल्लेखनीय असर नजर नहीं आया है। दरअसल, सरकार तदर्थ उपायों से मुद्रास्फीति पर काबू पाने का प्रयास कर रही है। हकीकत यह है कि लोगों की क्रयशक्ति लगातार घटी है। रोजगार के अवसर सिकुड़ते गए हैं। घरेलू मांग और निर्यात घटने से औद्योगिक उत्पादन में भी उतार नजर आता है। इस तरह वहां भी रोजगार के अवसर छीज रहे हैं। लोगों के पास रोजगार नहीं होगा, तो उनकी क्रयशक्ति भी नहीं बढ़ेगी। क्रयशक्ति नहीं बढ़ेगी, तो बाजार में पूंजी का प्रवाह नहीं बढ़ेगा। ऊपर से, खाने-पीने की कीमतें आसमान छू रही हैं। खुदरा महंगाई बढ़ने के पीछे आमतौर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने का तर्क दिया जाता है। यह ठीक है कि दुनिया में कई जगह संघर्ष चलने की वजह से तेल की कीमतों पर भी असर पड़ा है, मगर पिछले काफी समय से हमारे देश में इसका कोई खास दबाव नजर नहीं आ रहा। फिर, खाने-पीने की चीजों की कीमतें ऐसे मौसम में बढ़ रही हैं, जब बाजार में फसलों की भरपूर आवक रहती है। मौसमी फलों और सब्जियों की कीमतें भी आम आदमी की क्षमता से बाहर चली गई हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

बुलडोजर कार्रवाई

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई पर दिशा-निर्देश जारी करके यह सुनिश्चित करने का काम किया कि अतिक्रमण, अवैध निर्माण के साथ-साथ अपराध के खिलाफ मनमानी कार्रवाई न होने पाए। ऐसा किया जाना आवश्यक था, क्योंकि बुलडोजर कार्रवाई अपराध में लिप्त तत्वों के खिलाफ भी होती थी और इस आधार पर होती थी कि उन्होंने अपना मकान, दुकान या अन्य कोई इमारत अवैध रूप से बना रखी है। शासन-प्रशासन को ऐसी कार्रवाई करने में इसलिए आसानी होती थी, क्योंकि प्रायः लोग अपने भवनों का निर्माण स्वीकृत मानचित्र या तय मानकों के हिसाब से नहीं कराते। बुलडोजर कार्रवाई को इसलिए जनता का समर्थन मिलता था, क्योंकि उसकी यह आकांक्षा रहती है कि अपराधी तत्वों को यथाशीघ्र दंड मिले। इसी कारण बुलडोजर कार्रवाई की सराहना होती थी, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि इस तरह की कार्रवाई में संदिग्ध अपराधी-अभियुक्त का घर-दुकान ध्वस्त होने से उसके स्वजन भी सजा पाते थे। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा कि किसी आरोपित की सजा उसके परिवार वालों को नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को लेकर जो दिशानिर्देश जारी किए, उनके आधार पर इस नतीजे पर भी नहीं पहुंचा जाना चाहिए कि अवैध निर्माण और अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई का रास्ता बंद होने जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों से यह स्पष्ट है कि अनधिकृत निर्माण के खिलाफ नोटिस भेजने और मामले की सुनवाई करने के बाद बुलडोजर कार्रवाई संभव है। इसी के चलते सुप्रीम कोर्ट के फैसले की व्याख्या इस रूप में भी की जा रही है कि इससे माफिया तत्वों और पेशेवर अपराधियों पर नियंत्रण करना आसान हो जाएगा। देखना है कि ऐसा होता है या नहीं? जो भी हो, सुप्रीम कोर्ट के फैसले का असर अतिक्रमण हटाने और जमीनों पर

कब्जे रोकने पर नहीं पड़ना चाहिए। इसी तरह अपराधी तत्वों का दुस्साहस भी नहीं बढ़ना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह सही कहा कि बिना फैसले किसी को दोषी न माना जाए और अपराधी को दंड देना अदालत का काम है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या अदालतें यह काम सही तरह से कर पा रही हैं? अच्छा होता कि सुप्रीम कोर्ट पर इस प्रश्न पर भी गौर करता, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि अपराधी और माफिया तत्वों को उनके किए की सजा मुश्किल से ही मिलती है। मिलती भी है, तो बहुत विलंब से। बाहुबली, धनबली किस्म के या फिर राजनीतिक असर वाले अपराधी तत्वों के मामलों में यही अधिक देखने को मिलता है कि वे अपने खिलाफ चल रहे मुकदमों को लंबा खींचने में सफल हो जाते हैं। यह भी किसी से छिपा नहीं कि संगीन अपराध में लिप्त तत्वों को भी शीघ्र सजा नहीं मिल पाती। इसी कारण लोग बुलडोजर कार्रवाई को न्याय की संज्ञा देते हैं। अच्छा होता कि सुप्रीम कोर्ट यह देख पाता कि बुलडोजर कार्रवाई न्याय में देरी की उपज है।

फोटोः कुमकुम फोटो
साकेत, 9829054966

मीरामार्ग पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का दूसरा दिन

जन्म कल्याणक पर निकली विशाल शोभायात्रा

शाबाश इंडिया

पाण्डुक शिला पर 1008 कलशों से हुआ तीर्थंकर बालक पार्श्व कुमार का जन्माभिषेक शुक्रवार को होगी तप कल्याणक की क्रियाएं

जयपुर । मानसरोवर के गौखले मार्ग स्थित सेक्टर 9 के सामुदायिक केन्द्र पर संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मानसरोवर मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में नवनिर्मित जिनबिम्बों का श्रीमद् जिनेन्द्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के दूसरे दिन गुरुवार को जन्म कल्याणक की क्रियाएं सम्पन्न हुई। जन्म कल्याणक की क्रियाएं, जन्म कल्याणक शोभायात्रा एवं पाण्डुक शिला पर तीर्थंकर बालक के 1008 कलशों से हुए जन्माभिषेक को देखने के लिए जैन समाज उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने भगवान पार्श्वनाथ के जयकारे लगाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। वहीं शुक्रवार को तप कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा । सयुंक्त मंत्री सीए मनोज जैन

एवं संगठन मंत्री अशोक सेठी ने बताया कि महामहोत्सव के अन्तर्गत पं. धीरज शास्त्री के निर्देशन में अभिषेक, शांतिधारा पूजन के पश्चात प्रातः 7:30 से भगवान के जन्मोत्सव की बधाई, प्रथम दर्शन शचि इन्द्राणी द्वारा सहस्त्र नैत्र से प्रभु दर्शन, सौधर्म इन्द्र द्वारा प्रवचन के बाद प्रातः 9.30 बजे विशाल जन्म कल्याण शोभायात्रा निकाली गई। गौखले मार्ग स्थित सामुदायिक केन्द्र से विशाल जन्मोत्सव शोभायात्रा रवाना हुई। जिसमें हाथी, घोड़े, ऊटं, बघ्घियां एवं बैण्ड बाजो सहित हजारों श्रद्धालुगण नाचते गाते शामिल हुए।सौधर्म इन्द्र बने महेश - अनिला बाकलीवाल सहित भगवान के माता-पिता पदम कुमार - शशि जैन, कुबेर इन्द्र सुभाष - मीना अजमेरा एवं महायज्ञनायक सुशील - निर्मला पहाड़िया एवं अन्य सभी इन्द्र - इन्द्राणियों ने ऐरावत हाथी पर तीर्थंकर बालक पार्श्व कुमार को लेकर सुमेरु पर्वत की ओर प्रस्थान किया।शोभायात्रा में इन्द्र - इन्द्राणियों के साथ श्रद्धालुओं ने जैन भजनों की स्वर लहरियों पर नाच गाकर अपनी भक्ति को प्रदर्शित किया। शोभा यात्रा विजय पथ सहित विभिन्न मार्गो से होती हुई पाण्डुक शिला पहुंची जहां पर जयकारों के बीच तीर्थंकर बालक का 1008 कलशों से जन्माभिषेक किया गया ।कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन एवं सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी ने बताया कि तीर्थंकर बालक के जन्मोत्सव की खुशी में

सायंकाल 6:00 बजे सौधर्म इन्द्र द्वारा तांडव नृत्य कर अपनी खुशियां जताई। तत्पश्चात उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं ने तीर्थंकर बालक के पालना झुलाने का पुण्यार्जन किया। अन्त में बाल क्रीड़ा व सांस्कृतिक आयोजन हुए जिन्हें देख श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा व वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा एवं उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी के मुताबिक महामहोत्सव में रविवार, 17 नवम्बर को मोक्ष कल्याणक की क्रियाएं होगी। इस मौके पर विश्व शांति महायज्ञ के बाद विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। नवीन वेदियों में श्री जी को विराजमान किया जाएगा। तत्पश्चात सम्मान एवं आभार समारोह किया जाएगा। इसी दिन प्रातः 8 बजे बच्चों का उपनयन संस्कार किया जाएगा। दोपहर 1.00 बजे से मुनि प्रणम्य सागर महाराज की पिच्छिका परिवर्तन समारोह होगा।

-विनोद जैन कोटखावदा

कोल्ड ड्रिंक की बोतल पर भी चेतावनी छपवानी चाहिए ताकि लोग इसके खतरों को समझ सकें : राजेश खुराना

संजय सागर सिंह

रिपोर्ट्स और आंकड़ों के अनुसार, यह सच है कि कोल्ड ड्रिंक और शुगर से संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं बहुत गंभीर हो सकती हैं। दरअसल, अत्यधिक चीनी का सेवन डायबिटीज, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, और यहां तक कि कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। यह भी सही है कि इन उत्पादों पर सिगरेट और तंबाकू की तरह चेतावनियाँ छापी जानी चाहिए ताकि लोग इसके खतरों को समझ सकें। यह विचार राष्ट्रवादी चिंतक राजेश खुराना ने लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ते

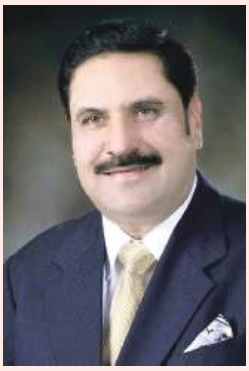

हानिकारक असर को देते हुए राष्ट्रहित और समाजहित में व्यक्त किये। श्री खुराना ने कहा,- कोल्ड ड्रिंक में अत्यधिक चीनी की मात्रा को लेकर कई शोधों ने इसकी गंभीरता को उजागर किया है। उदाहरण के तौर पर, 2 लीटर कोल्ड ड्रिंक में लगभग 250 ग्राम चीनी होती है, जो एक व्यक्ति के दैनिक शुगर सेवन से कहीं ज्यादा है। यह अत्यधिक चीनी का सेवन शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ा सकता है, जिससे अनेक जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं, जैसे कि उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारियाँ, और मेटाबोलिक समस्याएँ। उन्होंने कहा, किसी भी उत्पाद पर चेतावनी छापने का उद्देश्य केवल लोगों को सचेत करना होता है, ताकि वे अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और ज्यादा चीनी या शुगर युक्त उत्पादों से दूर रहें। यदि कोल्ड ड्रिंक पर सिगरेट की तरह चेतावनी दी जाए, तो यह लोगों को यह सोचने के लिए प्रेरित कर सकता है कि उनकी पसंदीदा पेय का सेवन भी उनके स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। यह जरूरी है कि लोग शुगर के सेवन को सीमित करें और अपने आहार में संतुलन बनाए रखें ताकि वे इन समस्याओं से बच सकें। उन्होंने आगे कहा,- रिपोर्ट्स और आंकड़ों के अनुसार, सबको पता होता है की 2 लीटर की कोल्ड ड्रिंक की बोतल में लगभग 250 ग्राम शुगर होती है और किसी भी एक स्वस्थ व्यक्ति को पूरे दिन में 6 चम्मच से ज्यादा चीनी नहीं लेनी चाहिए। परंतु फिर भी हम कोल्ड ड्रिंक तब तक पीते हैं, जब तक डायबिटीज का लेवल 400 पार नहीं कर जाता। याद रखना एक बार डायबिटीज होने पर दवाई तो आप खा लोगे परंतु उसके साइड इफेक्ट से नहीं बच पाओगे। ये सभी दवाएं खून में इंसुलिन का स्तर बहुत अधिक बढ़ा देती हैं। इंसुलिन की इतनी मात्रा होने से, खून बहुत गाढ़ा हो जाता है। शरीर में बड़ी मात्रा में इंसुलिन होने से उसे भारी नुकसान पहुंचता है। यह जिगर, गुर्दे और मल उत्सर्जन वाले अन्य अंगों को लगभग नष्ट कर देती है। गाढ़ेपन और काम में इंसुलिन पेट के एसिड की तरह होती है। सोचिए अगर पेट का एसिड आपके आंतरिक अंगों में भर जाए तो क्या होगा ? उन्होंने कहा, वे एसिड से जल जाएँगे। इंसुलिन का बढ़ा हुआ स्तर, कोशिकाओं को नष्ट करके, उन्हें असामान्य रूप से विभाजित करने लगता है, और यही ऑन्कोलॉजी है। इस वजह से, आंकड़ों के अनुसार, डायबिटीज के 28% मरीजों में कैंसर विकसित हो जाता है। इसके अलावा, इंसुलिन की बड़ी मात्रा रक्त वाहिकाओं में कोलेस्ट्रॉल के तेजी से जमने का कारण बनती है, क्योंकि इंसुलिन के कारण गाढ़े हो गए खून का बहाव धीमा हो जाता है। जिसकी वजह से, रक्त वाहिकाएँ कोलेस्ट्रॉल से भर जाती हैं, जिसके कारण रक्तचाप बढ़ जाता है। डायबिटीज के 98% मरीज उच्च रक्तचाप से पीड़ित होते हैं और उनमें हृदय प्रणाली की कई अन्य समस्याएं पैदा हो जाती हैं। इसलिये राष्ट्रहित एवं स्वास्थ्यहित में कोल्ड ड्रिंक की बोतल पर भी चेतावनी छपवानी चाहिए ताकि अंजान लोग इसके खतरों को समझ सकें।

नचिकेतन पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहर के ममेरां रोड बाईपास स्थित नचिकेतन पब्लिक स्कूल में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिवस पर बाल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय चेयरमैन राजेन्द्र सिंह सिद्धु, सचिव छबीलदास सुथार, निदेशक रणजीत सिंह सिद्धु, एडमिनिस्ट्रेटर अशोक कुमार महोराना, प्राचार्य सत्यनारायण पारीक, प्रबंधन समिति के सदस्य कपिल सुथार ने चाचा नेहरू की प्रतिमा को पुष्प अर्पित कर किया। कार्यक्रम के आरम्भ में स्वागत गीत द्वारा आए हुए सभी उपस्थित जनों का स्वागत किया। इसके बाद बच्चों द्वारा अनेक प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध किया। विद्यालय प्राचार्य सत्यनारायण पारीक ने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय की कक्षा द्वितीय से पाँचवी के बच्चों के लिए फैसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों ने अद्भुत कला व ड्रैस का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में पूनम दयाल व बलजीत कौर ने अपनी सूझबूझ व बच्चों के कला प्रर्दशन के आधार पर उचित निर्णय लिए। अंत में विद्यालय प्रशासक अशोक कुमार मोहराना ने सभी प्रतिभागियों को उनके बेहतरीन प्रर्दशन के लिए बधाई दी। उन्होंने सभी उपस्थित अध्यापकों व सहकर्मियों का उनके सहयोग के लिए धन्यवाद किया व आगे भी इसी तरह के सफल कार्यक्रमों के आयोजन के लिए कहा। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को मिठाई वितरित की गई।

काठमांडू (नेपाल) की पुण्य धरा पर प्रसिद्ध गायक संजय रायजादा की प्रस्तुतियों ने मन मोहा

काठमांडू, नेपाल. शाबाश इंडिया

श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, काठमांडू व सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था शाखा काठमांडू नेपाल के सौजन्य से दिनांक 12 नवंबर 2024को आयोजित भजन व देशभक्ति के कार्यक्रम में आचार्य महाश्रमण के प्रबुद्ध शिष्य मुनि श्री रमेश कुमार जी और मुनि श्री रतन कुमार जी का पावन सानिध्य और आशीर्वाद अविस्मरणीय रहा। राजस्थान के प्रसिद्ध गायक संजय रायजादा को बड़ी संख्या में श्रोताओं ने सुना और खूब दाद भी दी। कार्यक्रम में आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर,काठमांडू और सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था काठमांडू के अध्यक्ष सुभाष जैन सेठी का मार्गदर्शन और सामूहिक जिनेन्द्र आराधना के संस्थापक राकेश गोधा की परिकल्पना बहुत प्रभाशाली रही। नवकार मंत्र का जाप, स्वामी महावीरा सिद्दार्थ का प्यारा, कभी प्यासे को पानी है प्रीत जहां की रीत आदि रचनाओं को श्रोताओं ने जमकर दाद दी।

निवाई की मेधा जैन का पहाड़ी जैन समाज ने किया सम्मानित

निवाई. शाबाश इंडिया। स्थानीय मोदी धर्मशाला में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में पहाड़ी जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा निवाई की बेटी मेधा जैन पहाड़ी का आरजेएस में चयन होने पर शाल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया जिसमें जैन समाज निवाई एवं पहाड़ी जैन समाज गौरवान्वित हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि राजस्थान न्यायिक सेवा में निवाई की सुश्री मेधा जैन पुत्री सुरेश कुमार जैन पहाड़ी, माता अर्चना जैन के आर जे एस में सफलता हासिल करने पर प्रमुख उधोगपति एवं समाजसेवी महावीर प्रसाद पहाड़ी, रिटायर्ड कस्टम अधिकारी राजेंद्र जैन, समाजसेवी उम्मेदसिंह राजावत, नगरपालिका प्रतिनिधि एवं आयल मिल एसोसिएशन अध्यक्ष पारस पहाड़ी, कमल चंद सोगानी विमल जैन पदमचंद सोगानी प्रेमचंद जैन ओमप्रकाश जैन सहित निवाई जैन समाज एवं पहाड़ी जैन समाज ने सम्मानित किया है। निवाई की जैन प्रतिभाओं ने टोंक जिले का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर डाक्टर योगेश स्वामी डाक्टर स्वाति जैन डाक्टर वर्षा जैन आशीष जैन कन्हैयालाल जैन पदमचंद लावा एवं विकेश गर्ग सहित राज्य भर से आए लोगों ने स्वागत सत्कार किया।

राम पुकार सिंह और कामेश्वर द्विवेदी का सम्मान एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन

वाराणसी. शाबाश इंडिया। वाराणसी के इन्दिरा नगर में प्रख्यात साहित्यकार हीरालाल मिश्र 'मधुकर' जी की अध्यक्षता एवं कोलकाता से पधारे वरिष्ठ साहित्यकार राम पुकार सिंह 'पुकार गाजीपुरी' - मुख्य अतिथि एवं गाजीपुर के वरिष्ठ कवि कामेश्वर द्विवेदी - विशिष्ट अतिथि के उपस्थिति में एक भव्य कवि गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें अतिथि द्वय को विश्व-हिन्दी शोध - संवर्धन अकादमी एवं काशी काव्य संगम द्वारा अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ राम नरेश राम 'नरेश' की सुमधुर सरस्वती वन्दना से हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष एवं अतिथि द्वय के अलावा विजय शंकर पाण्डेय, गौरीशंकर तिवारी, भोलानाथ त्रिपाठी, आलोक सिंह बेताब, राम नरेश राम 'नरेश', परम हंस तिवारी, अखलाक खान भारतीय, गिरीश पाण्डेय 'बनारसी' आदि प्रमुख रचनाकारों ने अपनी-अपनी स्वरचित रचनाओं का लाजवाब काव्य पाठ प्रस्तुत कर इस कार्यक्रम को सही मायने में यादगार बना दिया।इस कार्यक्रम का बेमिसाल संचालन वरिष्ठ रचनाकार डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने किया। उक्त कार्यक्रम का समापन गोष्ठी में पधारे सभी साहित्यकारों और साहित्य प्रेमी चंद्र भूषण सिंह सहित सभी श्रोताओं का आभार ज्ञापन के साथ कार्यक्रम के कुशल संयोजक प्रख्यात गजलकार गिरीश पाण्डेय ने की।

किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता सोशल मीडिया

किशोरों पर सोशल मीडिया के प्रभाव ने वैश्विक स्तर पर गंभीर चिंताएँ पैदा की हैं, इस बात पर बहस चल रही है कि क्या आयु प्रतिबंध इसके संभावित नुकसानों को प्रभावी ढंग से दूर कर सकते हैं या अनपेक्षित परिणामों को जन्म दे सकते हैं। साथियों के साथ बातचीत और समुदाय निर्माण की सुविधा देता है, सामाजिक कौशल विकास में सहायता करता है। प्यू रिसर्च (2023) ने पाया कि 71% किशोर सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। युवाओं को पहचान तलाशने और खुद को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। सोशल मीडिया इंटरनेट साइट्स और ऐप्स के लिए एक शब्द है जिसका उपयोग आप अपने द्वारा बनाई गई सामग्री को साझा करने के लिए कर सकते हैं। सोशल मीडिया आपको दूसरों द्वारा पोस्ट की गई सामग्री पर प्रतिक्रिया देने की सुविधा भी देता है। इसमें दूसरों द्वारा पोस्ट की गई तस्वीरें, टेक्स्ट, प्रतिक्रियाएँ या टिप्पणियाँ और जानकारी के लिंक शामिल हो सकते हैं। सोशल मीडिया साइट्स के भीतर ऑनलाइन शेयरिंग कई लोगों को दोस्तों के संपर्क में रहने या नए लोगों से जुड़ने में मदद करती है और यह अन्य आयु समूहों की तुलना में किशोरों के लिए अधिक महत्त्वपूर्ण हो सकता है। दोस्ती किशोरों को समर्थित महसूस करने में मदद करती है और उनकी पहचान बनाने में भूमिका निभाती है। इसलिए, यह सोचना स्वाभाविक है कि सोशल मीडिया का उपयोग किशोरों को कैसे प्रभावित कर सकता है। सोशल मीडिया बहुत से किशोरों के दैनिक जीवन का एक बड़ा हिस्सा है। कितना बड़ा? 13 से 17 साल के बच्चों पर 2024 में किए गए एक सर्वेक्षण से इसका सुराग मिलता है। लगभग 1, 300 प्रतिक्रियाओं के आधार पर, सर्वेक्षण में पाया गया कि 35% किशोर दिन में कई बार से ज्यादा पाँच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में से कम से कम एक का इस्तेमाल करते हैं। पाँच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं: यूट्यूब, टिकटोक, फेसबुक, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट। सोशल मीडिया सभी किशोरों को एक जैसा प्रभावित नहीं करता है। सोशल मीडिया का उपयोग मानसिक स्वास्थ्य पर स्वस्थ और अस्वस्थ प्रभावों से जुड़ा हुआ है। ये प्रभाव एक किशोर से दूसरे किशोर में अलग-अलग होते हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया का प्रभाव चीजों पर निर्भर करता है। यूनिसेफ की रिपोर्ट (2022) से पता चलता है कि सोशल मीडिया 62% किशोरों में आत्म-पहचान को बढ़ावा देता है। विशाल शैक्षिक संसाधनों तक पहुँच सक्षम करता है, डिजिटल साक्षरता और कौशल को बढ़ाता है। लिंक्डइन और फेसबुक युवाओं के लिए डिजिटल कौशल पर कार्यशालाएँ प्रदान करते हैं। हाशिए के समूहों के लिए समर्थन और समझ पाने के लिए सुरक्षित स्थान बनाता है हल्ड (2022) ने सीमित सोशल मीडिया एक्सपोजर वाले युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य जोखिमों में 20% की कमी की रिपोर्ट की है। अनुचित या खतरनाक सामग्री के संपर्क को सीमित करता है, जिससे नकारात्मक प्रभावों के जोखिम कम होते हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (2023) ने पाया कि सोशल मीडिया का उपयोग साइबरबुलिंग के जोखिम को 30% तक बढ़ाता है। युवा उपयोगकर्ताओं को लक्षित करने वाले शिकारी व्यवहार और शोषण के जोखिमों को कम करने में मदद करता है। नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रन की 2023 की रिपोर्ट में युवाओं से जुड़े

ऑनलाइन शोषण के मामलों में 15% की वृद्धि पर प्रकाश डाला गया है। अत्यधिक स्क्रीन समय को नियंत्रित करता है, बेहतर स्वास्थ्य और ऑफलाइन जुड़ाव का समर्थन करता है। डिजिटल मीडिया पर दक्षिण कोरिया के नियम (2021) नाबालिगों में स्क्रीन की लत को सीमित करते हैं। आयु सत्यापन प्रणाली जैसे आयु प्रतिबंधों के अनपेक्षित परिणाम अक्सर दरकिनार कर दिए जाते हैं, जिससे प्रतिबंधों को लागू करना मुश्किल हो जाता है। यू.के. के अध्ययन (2022) से पता चलता है कि 30% किशोर न्यूनतम प्रयास से आयु जाँच को दरकिनार कर देते हैं। आयु प्रतिबंध डिजिटल शिक्षा को सीमित कर सकते हैं, जिससे युवा ज़िम्मेदार ऑनलाइन बातचीत के लिए तैयार नहीं हो पाते। पहुँच को प्रतिबंधित करने से किशोर अलग-थलग पड़ सकते हैं, जिससे वे महत्त्वपूर्ण सामाजिक संवादों में शामिल नहीं हो पाते। यूनिसेफ (2023) ने पाया कि सोशल मीडिया समावेशिता में मदद करता है, खासकर हाशिए पर पड़े समूहों के लिए। प्रमुख प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध युवाओं को कम विनियमित, संभावित रूप से अधिक हानिकारक साइटों की ओर धकेल सकते हैं। प्रतिबंध वाले देशों में, किशोर कम सुरक्षा नियंत्रण वाले आला प्लेटफॉर्म की ओर मुड़ गए हैं, जिससे जोखिम बढ़ गया है। डिजिटल साक्षरता और जागरूकता को बढ़ावा दें युवाओं को सुरक्षित ऑनलाइन प्रथाओं के बारे में शिक्षित करने के लिए स्कूलों में व्यापक डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम शुरू करें। फिनलैंड का मीडिया साक्षरता सप्ताह छात्रों को डिजिटल सुरक्षा और आलोचनात्मक सोच में प्रशिक्षित करता है। माता-पिता को अपने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग की निगरानी और मार्गदर्शन करने में मदद करने के लिए संसाधन प्रदान करें। 2017 चाइल्ड ऑनलाइन प्रोटेक्शन फ्रेमवर्क डिजिटल मार्गदर्शन में माता-पिता की भूमिका पर जोर देता है। उम्र सम्बंधी प्रतिबंधों के बजाय हानिकारक सामग्री को प्रतिबंधित करने पर ध्यान केंद्रित करें, जिससे सुरक्षित और संयमित उपयोग की अनुमति मिले। जुआ और हिंसा जैसी सामग्री पर फ्रांस के 2022 के चुनिंदा प्रतिबंध पूर्ण प्रतिबंध के बिना युवाओं की रक्षा करते हैं। जबकि सोशल मीडिया पर उम्र सम्बंधी प्रतिबंध सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं, एक संतुलित दृष्टिकोण जो डिजिटल शिक्षा, माता-पिता की भागीदारी और लक्षित सामग्री विनियमन को जोड़ता है, किशोरों की सुरक्षा के लिए अधिक व्यावहारिक है, जबकि उन्हें जिम्मेदारी से सोशल मीडिया से लाभ उठाने की अनुमति देता है।

डॉ. सत्यवान सौरभ,
कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट,

मेवाड़ धर्म प्रमुख ने दी मेवाड़ के महाराणा को श्रद्धांजलि

उदयपुर. शाबाश इंडिया

मेवाड़ धर्म प्रमुख एवं शंकराचार्य पीठ के धर्मांसद अधिकारी श्री श्री रोहित गोपाल भैया ने मेवाड़ के महाराणा महेंन्द्र सिंह के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। रोहित गोपाल ने कहा कि महाराणा साहब का निधन मेवाड़ के धर्मप्रेमियों के एक अपूर्णीय क्षति है। उनके निधन के साथ मेवाड़ क्षेत्र में शौर्य एवं उदारता के एक युग का अंत हो गया। उनके चित्तौड़ आगमन के पलों को याद करते हुए श्री श्री ने कहा कि शहर में उनका आना क्षेत्रवासियों के लिए सदा ही गौरव का विषय रहा। सुसंस्कृत शब्दों एवं अपनी अद्भुत वाकपटुता से सदैव हमारा मार्ग प्रशस्त करने वाले महाराणा महेंद्र सिंह सदैव हमारी स्मृतियों मे जीवित रहेंगे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

बाल दिवस पर राजकीय विद्यालय में छात्रों के लिए किया विशेष आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

बाल दिवस के अवसर पर श्री मुनिसुव्रतनाथ फाउंडेशन के वॉलिंटियर्स द्वारा श्रीकिशनपुरा स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समन्वयक अभिषेक सांघी ने बताया की कार्यक्रम के तहत बच्चों के मनोरंजन और उत्साहवर्धन के लिए खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने पूरे जोश के साथ इन खेलों में भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के बाद सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। अध्यक्ष मैना गंगवाल ने कहा की सभी छात्रों को अभ्यास पुस्तिका, स्टेशनरी समेत आवश्यक पाठ्य सामग्री वितरित की गई। इसके अलावा, छात्रों के लिए अल्पाहार की भी विशेष व्यवस्था की गई। फाउंडेशन के वालंटियर डॉ ऋतु बडजात्या ने बताया कि संस्था का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद बच्चों की मदद करना ताकि देश के भविष्य निर्माण में वे अपनी सक्षम भूमिका निभा सकें। विद्यालय के प्रधानाचार्य कविता शर्मा ने फाउंडेशन के इस सराहनीय प्रयास के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि इस तरह की गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर सविता श्रीमाल, पूजा जैन, मोना जैन, पिंकल श्रीमाल, सपना सांघी, तोशी जैन, दीपा जैन, धीरेन्द्र मंगल, युग गंगवाल आदि सदस्य उपस्थित रहे।

बाल दिवस एवं विश्व मधुमेह दिवस पर महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा स्वास्थ्य गोष्ठी का आयोजन

अजीत कोठिया. शाबाश इंडिया

डडूका। महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा बाल दिवस एवं विश्व मधुमेह दिवस पर पायोनियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल गढ़ी मे एक स्वास्थ्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने की मुख्य अतिथि रमनलाल डामोर थे तो मुख्य वक्ता डॉ रामेश्वर लाल निनामा थे। प्रारंभ में एम आई संरक्षक परेश पंड्या ने सभी का स्वागत करते हुए बच्चो को बाल दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं दी। अजीत कोठिया ने महावीर इंटरनैशनल गढ़ी परतापुर के सेवा प्रोजेक्ट्स पर जानकारियां दी। रमनलाल डामोर ने बच्चों को बाल दिवस पर स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का वास होने की बात कर शुभकामनाएं दी। मुख्य वक्ता डॉ. रामेश्वर लाल निनामा ने बच्चों को फास्ट फूड, मेगी, चॉकलेट, चाउ मीन, पिज्जा, बर्गर से बचने की सलाह देते हुए टिफिन में सब्जियां लाने का आग्रह किया। बच्चों को निनामा ने मोबाइल से बचने का आह्वान किया और कहा कि ये सेहत के साथ साथ आंखों के लिए नुकसानदेह है। गोष्ठी में बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। कई बच्चों ने चाचा नेहरू के वेश धारण किया हुआ था। आयोजन मे रामभरत चेजारा ने शिशु स्वास्थ्य एवं किशोरी बालिका स्वास्थ्य जागरण पर विधालय में कार्यशाला आयोजन की घोषणा की। संचालन दक्षा भट्ट ने किया, आभार शैलेंद्र शर्मा ने व्यक्त किया। आयोजन में सक्रिय सहयोग हार्दिक भावसार का रहा।

बाल मेला बच्चों की प्रतिभा को निखारने का मंच : अजंली जैन

अंबाह. शाबाश इंडिया। नगर के श्री टेकचंद जैन विद्यापीठ परिसर में बाल मेंले का आयोजन किया गया जिसमें सभी छात्र छात्राओं ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा दिखाई नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अजंली जिनेश जैन ने बाल मेले का शुभारंभ व निरीक्षण किया ।विद्यालय कमेटी के सचिव जिनेश जैन ने बताया कि इस मेले का मकसद बच्चों के शैक्षिक अनुभव को बढ़ाना और उनके व्यक्तित्व विकास पर नजर रखना है। बाल मेले में बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं और आगे बड़े मंचों पर भी यह प्रदर्शन जारी रख सकते हैं। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अजंली

जैन ने कहा कि बाल मेले में बच्चे अपने द्वारा अर्जित ज्ञान को अभिव्यक्त कर सकते हैं। ऐसा करने से उन्हें खुशी होती है। मेले में कई तरह के क्रियाकलाप देखने को मिलते हैं। मेले में कई तरह की दुकानें और मनोरंजन के साधन होते हैं। बाल मेला स्वयं द्वारा अर्जित ज्ञान को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। अपने द्वारा अर्जित ज्ञान को अभिव्यक्त करने में बच्चे को खुशी होती है।आयोजन में विद्यालय के डायरेक्टर अंशुल जिनेश जैन, श्रीमती रीना जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे । इस बाल मेला में विद्यालय के विभिन्न हाउस आजाद हाउस, पटेल हाउस,बिस्मिल हाउस, तिलक हाउस, विवेकानन्द हाउस, गांधी हाउस, टैगोर हाउस के बच्चों द्वारा बहुत ही मनमोहक रूप से साज सज्जा कर विभिन्न खाद्य वस्तुओं,मनोरंजन आदि की दुकानें लगाई गई जिसमें कक्षा 3 से कक्षा 5 तक के बच्चों द्वारा पैक्ड आइटम, कक्षा 6 से कक्षा-8 तक के बच्चों के द्वारा बिना आग का इस्तेमाल किये बनाये हुये व्यंजन चाट, भेलपूड़ी, पानीपूरी आदि एवं कक्षा-9 से कक्षा-12 के छात्र - छात्राओं द्वारा तुरंत पकाये हुये विभन्न प्रकार के व्यंजन जैसेपाव-भाजी, मोमोस, मैगी, इडली पास्ता इत्यादि की बिक्री की गई उक्त बाल मेले में मनोरंजक एवं मानसिक बुद्धिवर्धक खेलों की भी स्टाल लगाई गई मुख्य आकर्षण विद्यालय परिवार के बच्चों द्वारा मिट्टी से बनाई हुई कलाकृतियाँ एवं चित्रकारी की प्रदर्शनी रही।

पीएम श्री विद्यालय में बाल समारोह का आयोजन

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर।आज पीएम श्री राउमावि रावतसर में बाल समारोह का आयोजन किया गया है जिसमें विद्यार्थियों के लिए साहित्यिक, खेलकूद, सांस्कृतिक प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें साहित्यिक प्रतियोगिता के लिए जेंडर संवेदनशीलता, अनिवार्य बाल शिक्षा, स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान,बाल अधिकार, पर्यावरण संरक्षण पर वक्ताओं द्वारा जानकारी प्रदान की गई। खेलकूद प्रतियोगिता में खो-खो, कबड्डी, वालीबाल, फुटबॉल, 100मीटर दौड़ का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम नशे जागरुकता पर नाटक, पंजाबी गायन, आदि के कार्यक्रम रखें गये। जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भी भाग लिया तथा अभिभावकों को विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति के विषय में भी जानकारी प्रदान की गई। प्रधानाचार्य सत्यदेव राठौड़ ने अभिभावकों को उनके बाल अधिकारों की रक्षा करते हुए उन्हें नियमित शिक्षा से जोड़ें रखने तथा बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर नियमित घर पर अभ्यास के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया जिससे बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन किया जा सके।

कुंडलपुर के बड़े बाबा के दर्शनार्थ हेतु 25 यात्रियों का गया एक दल

फागी. शाबाश इंडिया। धर्म परायण नगरी फागी से आज प्रसिद्ध तीर्थ मध्य प्रदेश के दमोह जिले में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर कुंडलपुर के बड़े बाबा श्री 1008 आदिनाथ भगवान के दर्शनार्थ हेतु 25 यात्रियों का दल कुंडलपुर के लिए जयकारों साथ रवाना हुआ, कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि उक्त यात्रा दल फागी से रवाना होकर जयपुर से दयोदया एक्सप्रेस रेल द्वारा कल प्रातः काल दमोह पहुंचेगा जहां से यह दल टैक्सी द्वारा कुंडलपुर के बड़े बाबा के दर्शनार्थ हेतु उक्त सिद्ध क्षेत्र पर पहुंचेगा, कार्यक्रम में समाज के मितेश लदाना ने बताया कि उक्त दल 15 तारीख को प्रातः काल वंदना हेतु पर्वत पर चढ़कर पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना करेगा, कार्यक्रम टीनू झंडा ने अवगत कराया कि में उक्त यात्री दल कुंडलपुर तीर्थ क्षेत्र पर आदिनाथ भगवान के कलशाभिषेक एवं अष्टद्रव्यों पूजा अर्चना करने के बाद आदिनाथ भगवान के विधान में पूजा अर्चना करेगा, झंडा ने बताया कि उक्त क्षेत्र पर 15 फीट ऊंची भगवान आदिनाथ की 1500 वर्ष पुरानी जिन प्रतिमा विराजमान हैं, जैन धर्मावलंबियों का उक्त ऐतिहासिक तीर्थ स्थल 2500 वर्ष पुराना है, जहां पर पद्मासन में विराजित आदिनाथ भगवान को श्रृद्धालु गण बड़े बाबा के नाम से पुकारते हैं, उक्त यात्रा दल कार्यक्रम समापन के बाद उक्त दल 17 तारीख को सांयकाल दमोह से रवाना होकर जयपुर होता हुआ फागी पहुंचेगा। उक्त कार्यक्रम में मितेश- टीना लदाना, आशीष - शीतल सिघल, टीनू झंडा -विनीता झंडा, बबलू - शिखा कठमाना, अनिल- ज्योति नला वाले, तथा अक्षिता,भावि, छवि, तन्वी, मनन, आर्यन, अरहथ, विशा, अनय जैन फागी एवं विशाल जैन लाडनूं, संतोष जैन झांझरी, संजय बगड़ा, बुद्धि प्रकाश जैन, सुरेंद्र जैन ,आलोक काला, जयपुर सहित सभी यात्रीगण साथ-साथ थे।

संघीजी जैन मंदिर सांगानेर में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान

सिद्धचक्र विधान व भक्तामर स्तोत्र में गूंजे श्रीजी के जयकारे,चढ़ाए 1024 अर्घ

जयपुर. शाबाश इंडिया। अष्टान्हिका पर्व के अवसर पर आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिपुगंव श्री सुधासागर जी महाराज के आशीर्वाद व प्रेरणा से श्री दिगम्बर जैन अतिषय क्षेत्र मंदिर संघीजी में चल रहे श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान व विश्व शांति महायज्ञ में इससे पूर्व बुधवार रात्रि में 48 दीपकों से भक्तामर स्तोत्र की संगीतमय महाअर्चना की गई। इस दौरान भक्तामर प्रणत मौलि मणि प्रमाणा...जैसे भजनों की मधुर स्वर लहरियों से आसपास का क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। पुण्यार्जक परिवार रिखबचंद, सुरेन्द्र कुमार व नरेन्द्र पांडया ने बताया कि विधान के तहत गुरुवार को सर्वप्रथम जयकारों के बीच श्री जी का अभिषेक व शांतिधारा की गई। इसके बाद विधानाचार्य पंडित जितेन्द्र कुमार शास्त्री कोटा ने मंत्रोच्चारण के बीच मंडल पर भक्ति भाव से अर्ध चढ़ाए। इस दौरान संगीतकार नरेन्द्र जैन ने आया मंगल दिन मंगल अवसर...वीरा प्रभु के ये बोल...श्री सिद्धचक्र का पाठ करो...जैसे भजनों की स्वर लहरियों से इन्द्र-इन्द्राणी भजनों की स्वर लहरियों भाव-विभोर होकर नाचे। इसी दिन साम को संगीतमय, शास्त्र स सभा के भक्तामर स्तोत्र की संगीतमय महाअर्चना की गई। इस अवसर पर विधानाचार्य पंडित जितेन्द्र कुमार शास्त्री कोटा व संगीतकार नरेन्द्र जैन ने भजनों की स्वर लहरियों के बीच यःसंस्तुत सकल वांगमय तत्व बोधा...वक्तुं गुणा~गुण समूह ...जैसे काव्यों व भजनों की स्वर लहरियों के बीच 48 दीपकों से भक्तामर स्तोत्र की संगीतमय महाअर्चना की गई।

परिवार शक्ति और आंतरिक ऊर्जा का केंद्र है: युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी

एएमकेएम में आठवें वार परिवार की हुई विवेचना

चैन्नई. शाबाश इंडिया

वारों में श्रेष्ठ वार है परिवार। यह शक्ति और आंतरिक ऊर्जा का केंद्र है। यह प्रत्येक कष्ट, समस्या का समाधान देने की क्षमता रखता है। गुरुवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुमार्सार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी म.ने की श्रृंखला में आठवें वार परिवार की धर्मसभा में विवेचना करते हुए कहे। उन्होंने कहा प्रत्येक पहलू को उजागर करने की क्षमता सात वारों में हैं। सोमवार सौम्यता, मन को स्थिर करने वाला है। मंगलवार साहस देने वाला है। हमारी यात्रा, बुद्धि को विकसित करने वाला बुधवार है। भाग्य को चमकाने वाला, खुशियों का अंबार देने वाला गुरुवार और प्रेम देने वाला शुक्रवार है। दृढ़ होने की प्रेरणा देने वाला शनिवार और हमें जगाने वाला रविवार है। ये विशेष कार्य को सम्पन्न करने की क्षमता देते हैं। युवाचार्य भगवंत ने कहा कि इन सबका सिरमौर एक वार परिवार है। परि यानी चारों ओर से रक्षा देने वाला, हमारा मजबूत रक्षा कवच। यह हमारे भाग्य को बढ़ाने वाला, हमारे ऊपर प्यार, प्रेम लुटाने वाला है। इस तरह कई चीजें इस एक में आ गई। आज विडम्बना यह है कि बाकी वार तो चल रहे हैं लेकिन परिवार टूट रहे हैं। न्यूक्लियर फैमिली ने कुटुम्ब व्यवस्था को तहस-नहस कर दिया है। जिन्होंने अपने परिवार से दूरी बना ली, उनसे ज्यादा दुर्भाग्यशाली कोई नहीं। ऐसे लोग जीवन में सर्वांगीण सुख नहीं पा सकते। परिवार को हम बोझ, रुकावट नहीं समझें। आज अहंकार, भौतिक सुख की लालसा के कारण परिवार में रहना सहज महसूस नहीं करते। पहले परिवार में वेरायटी होती थी। लोगों को रिश्तों के महत्व का अहसास था। परिवार वह हैं, जहां पीढ़ियों के बीच सांस्कृतिक व नैतिक मानदंडों को आगे बढ़ाया जाता है। जहां नोंक-झोंक, सपोर्ट भी होते है। यदि ऐसा परिवार आपको नहीं मिले तो दुनिया का वैभव व्यर्थ है। उन्होंने कहा परिवार की मुख्य स्तंभ मां होती है। उस पर सारी चीजें निर्भर करती है कि वह कैसे परिवार को मेंटेन करती है और बाकी सदस्य कैसे सहयोग करते हैं। जिस परिवार में एक दूसरे का सम्मान किया जाता है, वह प्रसन्न परिवार होता है। जिस परिवार में सहनशीलता का गुण हों, वह परिवार कभी टूट नहीं सकता। आपसी प्रेम, समन्वय तभी आता है, जब वहां सहनशीलता है। आज परिवारों में आपसी सामंजस्यता खत्म हो चुकी है। जहां ब्लेम गेम शुरू हो गया, वह परिवार मानो टूट गया। परिवार के हर सदस्य को बिना बताए अपनी भूमिका का ज्ञान होना चाहिए। उन्होंने कहा परिवार व्यक्ति को प्यार व सम्मान का अहसास कराता है। परिवार की खुशी में खुशी मनानी चाहिए। यदि परिवार को मजबूत रखना है तो सहनशीलता, सम्मान अति आवश्यक है। हम भाग्यशाली हैं कि हमें भारतीय संस्कृति, जैन कुल और जैन कुल के संस्कार मिले है। आज विडम्बना है कि परिवारों में बुजुर्गों, बच्चों की दुर्दशा हो रही है। परिवार के किसी भी सदस्य को बोझ समझने की गलती मत करना। परिवार में ही बच्चों का बौद्धिक विकास संभव है। यह परिवार धर्म साधना करने का शक्ति पुंज देगा। मुनिश्री हितेंद्र ऋषिजी ने कहा कि शुक्रवार को चातुर्मास समापन दिवस है। ज्यादा से ज्यादा तप आराधना करने का लक्ष्य रखें। शनिवार को युवाचार्यश्री का विहार केएलपी अभिनंदन अपार्टमेंट की ओर होगा, जहां स्थानक का लोकार्पण होगा। इस दौरान महासंघ की ओर से अध्यक्ष सुरेश लुनावत एवं अन्य पदाधिकारियों ने चातुर्मास में सहयोग करने वाले विभिन्न महिला सेवा मंडलों एवं विभिन्न विहार सेवा समूहों का सम्मान किया। महासंघ के मंत्री धमीचंद सिंघवी ने कहा कि युवा वर्ग हमारे चातुर्मास के स्तंभ थे, उनके बदौलत ही चातुर्मास सफल हुआ, हम उनका विशेष आभार प्रकट करते हैं। इस मौके पर गोतम लोढ़ा, जुगराज बोरुंदीया, देवीचंद बरलोटा, सुश्री कविता कोठारी ने अपने विचार रखे। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

-प्रवक्ता सुनिल चपलोत

धर्म मोक्ष के लिए जीवन जीने व मरने की कला: आचार्य शशांक सागर

श्री सिद्ध चक्र विधान में चढ़ेंगे 1024 अर्घ

जयपुर. शाबाश इंडिया। वरूण पथ मानसरोवर स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में अष्ठानिका के सप्तम-दिवस पर नित्य अभिषेक एवं शांति धारा के साथ भगवान महावीर के चित्र का अनावरण व दीप प्रज्ज्वलन विधान आनत इंद्र अशोक- निर्मला बाकलीवाल, सुमति प्रकाश- मंजू काला व पाद प्रक्षालन मंडल पूण्यार्जक निर्मल, भँवरी काला ने किया। सौधर्म इन्द्र सुनील-अनिता गंगवाल ने बताया आचार्य शशांक सागर महाराज ने प्रवचन में कहा कि धर्म है मोक्ष के लिए जीवन जीने के साथ मरने की कला भी है। धर्म जन्म और मृत्यु के बीच सेतु का काम करता है। प्रतिष्ठाचार्य प्रद्युम्न शास्त्री ने बताया कि विधान के सप्तम-दिवस में 512 अर्घ अर्पण किया और अष्टम दिवस में 1024 अर्घ चढ़ेंगे , सांय आरती के साथ भक्ति संध्या में पारस प्यारा लागे.., जैन धर्म के हीरे मोती... आदि भजनों में श्रद्धालु झूम उठे। इस अवसर पर पूरण मल अनोपड़ा, विमल काला, अशोक बाकलीवाल, बसंत बाकलीवाल, राजकुमार गंगवाल, राजेन्द्र सोनी, सुनील गोधा, महावीर बडजात्या, सतीश कासलीवाल,संतोष कासलीवाल, लोकेश सोगानी, जैनेन्द्र जैन, जे के जैन आदि उपस्थित रहे। **-सुनील जैन गंगवाल**

बगदा बरौली अहीर में मनाया तीर्थंकर बालक का जन्म कल्याणक महोत्सव

आगरा. शाबाश इंडिया

शमशाबाद रोड के बरौली अहीर स्थित आर.पी जैन कृषि फार्म हाउस बगदा में मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में चल रहे श्री मजिनेंद्र चंद्रप्रभु जिनविंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा चौबीसी मानस्तंभ महोत्सव के तीसरे दिन 14 नवंबर को तीर्थंकर बालक के जन्म की खुशियां मनाई गईं।इस अवसर पर राजगृही नगरी में महाराजा चंद्रसेन के दरबार में जैसे ही माता सुलक्षणा के तीर्थंकर बालक को जन्म देने की खबर पहुंची वैसे ही पूरा पांडाल खुशियों से झूम उठा। इसके पूर्व सभी इंद्र-इंद्राणियों ने विधानाचार्य अभिषेक जैन शास्त्री एवं विधानाचार्य ऋषभ जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में मुख्य पांडाल में सर्वप्रथम प्रातःकाल श्रीजी का अभिषेक,शांतिधारा एवं जन्म कल्याणक पूजन किया गयो तत्पश्चात भूमि शुद्धि मंडप उद्घाटन की क्रियाएं संपन्न कीं और श्रीजी की स्थापना भी की गईइस दौरान आगरा की विभिन्न शैलियों जैन समाज ने उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ के समक्ष श्रीफल भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त कियो आगरा दिगंबर जैन परिषद के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद जैन अर्थमंत्री राकेश जैन पदेर्वाले ने समाधिस्थ आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन कियो इस अवसर पर पंचकल्याणक महोत्सव समिति ने बाहर से पधारे अतिथियों का दुपट्टा माला पहने का स्वागत अभिनंदन कियोजिसके बाद सुबह 8:30 बजे तीर्थंकर बालक के जन्म की घोषणा हुई,भगवान चंद्रप्रभु के जन्मोत्सव पर पूरा पांडाल भगवान के जयकारों से गूंज उठा।कई तरह के वाद्ययंत्रों को बजाकर भगवान के जन्मोत्सव की खुशियां मनाई गईं और सभी इंद्र-इंद्राणियों ने नृत्य कियोप्रभु के जन्म कल्याण की खुशी मिलते ही धनपति कुबेर ने पूरे पंडाल में रतन की वर्षा कीइसके बाद सौधर्म इंद्र जिनेन्द्र जैन एवं अनिता जैन ने तीर्थंकर बालक को ऐरावत हाथी पर बैठकर जन्मकल्याणक शोभायात्रा बैंड बाजों के साथ निकाली जिसका शुभारंभ आगरा दिगंबर जैन परिषद के महामंत्री सुनील जैन ठेकेदार ने हरी झंडी दिखाकर कियोजन्मकल्याणक शोभायात्रा में भगवान के माता-पिता, कुबेर इंद्र,महायज्ञ नायक,यज्ञनायक, ईशान इंद्र,सानत इंद्र,महेंद्र इंद्र,स्वरूप बग्घियों में सवार थे इसके अलावा अष्टकुमारी सौभाग्यवती महिलाएं झांकियों में सवार थींवहीं शोभायात्रा में श्री आदिनाथ भगवान मांगी तुंगी विश्व स्तर अहिंसा की मूर्ति,संसार दर्शन,जन्म कल्याणक,कुंडलपुर में बधाई,पांडुक शिला पर भगवान का अभिषेक झांकियां और एटा का प्रसिद्ध मयूर नृत्य एवं तीन बैंड आकर्षण का केंद्र रहीजन्मकल्याणक शोभायात्रा आर.पी जैन कृषि फार्म हाउस से शुरू होकर कृष्णा टाउन,जयपुरिया,अंसल टाउन होते हुए पुनःवापस बगदा में पहुंची जहां भक्तों ने उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज के सानिध्य में तीर्थंकर बालक की प्रतिमा को सुमेरु पर्वत पर विराजमान कर 1008 स्वर्ण कलशों से जन्माभिषेक किया। जन्म कल्याणक शोभायात्रा की व्यवस्था शांतिनाथ युवा मंडल जयपुर हाउस द्वारा देखी गईइस अवसर पर उपाध्यायश्री विहसंत सागर महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि तीर्थंकर भगवान के जन्म से मानवता को आत्म कल्याण का मार्ग मिला है। सायं 7:00 बजे से श्रीजी की 108 दीपकों से मंगल आरती एवं सौधर्म इंद्र का तांडव नृत्य,बालकीड़ी तीर्थंकर बालक का पालना एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गएकार्यक्रम का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल एवं सत्येंद्र जैन साहुला द्वारा किया गया। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि 15 नवंबर को पंचकल्याणक महोत्सव के चौथे दिन सुबह 7:00 बजे तप कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर अनंत कुमार जैन सुधीर जैन,प्रदीप जैन, मनोज जैन,विशाल जैन,महेन्द्र जैन, लोकचंद जैन,मनोज जैन,सचिन जैन,पवन जैन,दिलीप जैन,मीडिया प्रभारी शुभम जैन,राहुल जैन,अनिल जैन,नरेश जैन नागीना जैन,अनीता जैन,तरन जैन,रेनू जैन,सुमन जैन, नीलम जैन,समस्त आगरा की विभिन्न शैलियों के लोग बड़ी संख्या में सम्मिलित होकर धर्मलाभ ले रहे हैं।

सिद्धचक्र महामंडल विधान के समापन पर हुआ विश्व शांति महायज्ञ

सुख खोजने से नहीं सुख खोदने से मिलेगा : मुनिश्री अरह सागर जी महाराज

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

श्री शान्ति नाथ त्रिकाल चौबीस जिनालय में चल रहा श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का समापन विश्व शांति महायज्ञ में सवा लाख मंत्रों की आहुति के साथ हो गया। आठ नवंबर से चल रहे सिद्धचक्र महामंडल विधान के अंतिम दिन विश्व शांति के लिए महायज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें तीर्थंकर कुंड पर सौधर्म इन्द्र वनकर राजेश कुमार बांसल अरिहंत कुंड पर चन्द्रेश बांसल सामान्य कुंड पर यज्ञानायक रमेश चन्द्र बासल सा परिवार के साथ ही अन्य भक्तों को बैठने का सौभाग्य मिला जहां पंडित नरेशकुमार वरी के मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां समर्पित की इस दौरान अन्य भक्तों ने भी अर्घो का समर्पण किया इसके पहले विगत आठ तारीख से चल रही सिद्धो की महा

आराधना करते हुए आठ सोलह बतीस चौसठ अर्घो के साथ प्रतिदिन दुगने दुगने अर्घो का समर्पण किया गया।

पुणर्जक परिवार का समाज ने किया सम्मान

अंतिम दिन एक हजार से अर्घ समर्पित किया समापन पर बांसल परिवार ने भोज का आयोजन जैन भवन में किया गया जहां जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल उपाध्यक्ष राजेंद्र अमन मंत्री विजय धुर्रा पंचायत कमेटी के महेश घमंडी नवीन ठेकेदार धन कुमार बल्ला रोहित सिंघई आजाद बेलई मनोज भोला ने पुण्यार्क परिवार का बहुमान किया इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि सिद्धो की आराधना करने का सौभाग्य शाली परिवार को मिलत है बांसल परिवार की मां की इच्छा को पूरा करने सभी जन सहयोगी बने हम उनके इन भावों की अनुमोदना करते हुए श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी की ओर से सम्मानित करते हैं।

सुख हमारे भीतर ही है, उसे समझना होगा: मुनि श्री

आज सुबह गंज मन्दिर में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि श्री अरह सागर जी महाराज ने कहा कि संसार के सभी जीव सुख चाहते हैं लेकिन उनके पता नहीं है कि सुख मिले कैसे सुख खोजने से नहीं सुख खोदने से मिलेगा सुख हमारे भीतर ही है हम उसे समझ नहीं पा रहे हम सुख साधनों में खोज रहे हैं सुख साधनों में नहीं साधना करने से मिलेगा उन्होंने कहा कि एक पिता अपने जीवन के अंतिम काल में अपने तीनों बेटों को बुलाकर कुछ राशि देकर काम करने को कहता है और एक वर्ष बाद बापिस पुछता है कि तो पहले और दूसरे बेटे ने धनराशि को व्यर्थ है व्यय कर दिया तीसरे पुत्र ने उस धन राशि को व्यापार में लगा कर बहुत बड़ी पूंजी वनकर देता है पिता प्रसन्न होकर अपनी सारी सम्पत्ति उसे सौंप देते हैं इसी प्रकार हम अपनी जो अंतरंग शक्तियां हैं उन्हें विकसित करेंगे।

शिक्षा के क्षेत्र में अशोकनगर की गुंजा जैन को मिला सम्मान

दिल्ली में आयोजित ग्लोबल लीडरशिप समिट में उत्कृष्ट प्रवक्ता के रूप में में किया सम्मानित

गौरव जैन सिन्नी. शाबास इंडिया

अशोकनगर। दिल्ली में स्वर्ण भारत परिवार संस्था द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता को सम्मानित किया गया। नई दिल्ली के इंडियन इस्लामिक कल्चर सेंटर में हुए आयोजित ग्लोबल लीडरशिप समिट और अवार्ड्स सेरेमनी में समाज और शिक्षा जगत में कार्य करने वाले अनेक कार्यकताओं ने हिस्सा लिया इस कार्यक्रम में भारत के 101 प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया जिसमें अशोकनगर की गुंजा जैन को उत्कृष्ट प्रवक्ता बेस्ट लैक्चरार पुरस्कार 2024, डॉ. अमिता सेठी को उत्कृष्ट लाइब्रेरीयन ऑफ द ईयर पुरस्कार 2024 से नवाजा गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत के पूर्व चुनाव आयोग निर्देशक डॉ. मोहम्मद अमीन रहे। कॉरपोरेट क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण पर चर्चा की गई कार्यक्रम में महिला उद्यमियों की भूमिका पर प्रकाश डाला जो सामाजिक बदलाव और स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

महासाध्वी कंचनकुंवरजी के सानिध्य में मुमुक्षु कल्पेश की गोद भराई

वीर लोकाशाह जयंति पर चातुर्मास समापन समारोह कल

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्रमण संघ के प्रथम युवाचार्य पूज्य श्री मिश्रीमलजी म.सा.'मधुकर' के प्रधान सुशिष्य उप प्रवर्तक पूज्य विनयमुनिजी म.सा.'भीम' की आज्ञानुवर्तिनी शासन प्रभाविका पूज्य महासाध्वी कंचनकुंवरजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में बापूनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में गुरूवार को मुमुक्षु कल्पेश भाई की गोद भराई की रस्म अदा की गई। इस अवसर पर साध्वी मण्डल एवं श्रीसंघ द्वारा मुमुक्षु के प्रति मंगलभावनाएं व्यक्त की गई। मुमुक्षु कल्पेश की दीक्षा 10 फरवरी को जोधपुर में उप प्रवर्तक विनयमुनिजी म.सा. 'भीम' के सानिध्य में होने वाली है। साध्वी मण्डल के सानिध्य एवं बापूनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में शुक्रवार 15 नवम्बर को सुबह 9 बजे से महावीर भवन में वीर लोकाशाह जयंति मनाने के साथ चातुर्मास समापन समारोह होगा। इस अवसर पर चातुर्मासकाल में जो नियमित नवकार महामंत्र जाप हुए उस अभिमंत्रित सर्व सिद्धकारी मंगलकारी जाप के पाटे की बोली लगाई जाएगी। मुमुक्षु अभिनंदन समारोह में साध्वी कंचनकुंवरजी म.सा. ने कहा कि पुण्यशाली आत्मा ही संयम पथ पर चलने के लिए जागृत होती है। उन्होंने मुमुक्षु को आशीर्वाद एवं प्रेरणा देते हुए कहा कि संयम पथ स्वीकार करने के बाद गुरूदेव की सेवा में रहकर खूब धर्मध्यान, त्याग तपस्या व जिनशासन की सेवा करे। मधुर व्याख्यानी डॉ. सुलोचनाश्री म.सा. ने मुमुक्षु कल्पेश भाई की संयम जीवन अंगीकार करने की भावना को उत्कृष्ट बताते हुए उनके प्रति मंगलभावनाएं व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जो भाग्यशाली होते है उनके मन में ही संयम स्वीकार करने की भावना आती है। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. सुलक्षणाश्री म.सा. का भी सानिध्य रहा। मुमुक्षु कल्पेश भाई ने साध्वी मण्डल एवं श्रीसंघ का आभार व्यक्त करते हुए सभी श्रावक-श्राविकाओं से उनके दीक्षा के अवसर पर पधार कर आशीर्वाद देने का आग्रह किया। समारोह में जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा गोखरू, निर्मला बुलिया, मनोहरसिंह मेहता आदि भी मौजूद रहे। धर्मसभा में साध्वी डॉ. सुलक्षणाश्री म.सा. के चैन्नई से पधारे सांसारिक परिजन भी मौजूद थे। मुमुक्षु की गोद भराई की रस्म अदा करने वालों में बापूनगर श्रीसंघ के संरक्षक लादूलाल बोहरा, अध्यक्ष कमलेश मुणोत, महामंत्री दलपत सेठ, मंत्री अनिल विश्नोत सहित कई पदाधिकारी व श्रावक-श्राविकाएं शामिल थे।

दुर्गापुरा में भव्य शोभा यात्रा से होगा सिद्ध चक्र विधान का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दुर्गापुरा स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी में अष्टान्हिका महापर्व के पावन अवसर पर गुरुवार दिनांक 14 नवंबर को श्री 1008 श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान पूजा में मुनि श्री 108 पावन सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 सुभद्र सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में अभिषेक शांतिधारा दीपक कुमार पोद्दार एवं विमल चन्द बडजात्या ने की । ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि विधान पूजा में सम्मिलित सभी इन्द्र इन्द्राणियों ने आठवी पूजा के अर्घ्य मण्डल पर चढ़ाये। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष विमल कुमार गंगवाल ने बताया कि विधान पूजा के मध्य में मुनिश्री 108 पावनसागर जी ने प्रवचन में बताया कि धर्म करत संसार सुख, धर्म करत निर्वाणे धर्म पंथ साधे बिना, नर तिर्यंच समाने अर्थात धर्म धर्म सब कहते हैं लेकिन धर्म में जो कहा है उसका अनुकरण करना चाहिए। सिर्फ जन्म से ही नहीं हमें कर्म से भी जैन बनना चाहिए। मनुष्य गति की यही

विशेष बात है कि धर्म ध्यान का सुअवसर मिलता है तो उससे जुड़ना चाहिए, नहीं जुड़े तो यह मनुष्य जन्म तिर्यंच समान है संसार दुःख का कारण है, धर्म सुख का मार्ग है। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष सुनील संगही ने बताया कि 8 नवंबर से प्रारंभ आठ दिवसीय अष्टान्हिका महापर्व में शुक्रवार 15 नवंबर को प्रातः 11 बजे श्री 1008 श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान पूजा के समापन पर विश्व शांति महायज्ञ के पश्चात श्रीजी को पालकी में विराजमान कर मुनिश्री ससंघ के साथ शोभा यात्रा पांडाल से प्रारंभ होकर दुर्गा माता मंदिर के सामने से, इन्द्र सदन के सामने से होकर मंदिर जी पहुंचेगी।

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी अभूतपूर्व सफलता के साथ सम्पन्न

संस्कृति की रक्षा के लिए विद्वान आगे आएं : निर्यापक मुनि श्री सुधासागर जी महाराज

सागर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य निर्यापक मुनि श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वत परिषद के तत्वावधान में 9 से 11 नवम्बर 2024 तक तीर्थंकर ऋषभदेव से तीर्थंकर महावीर तक की ऐतिहासिक परंपरा पर डॉ जयकुमार जैन मुजफ्फरनगर, प्राचार्य अरुण जैन सांगानेर के निर्देशन में डॉ. सुरेंद्र जैन भारती बुरहानपुर के कुशल संयोजकत्व में भाग्योदय तीर्थ,सागर में आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय विद्वत्संगोष्ठी सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। संगोष्ठी के आठ सत्रों में 48 शोधालेख विद्वानों द्वारा प्रस्तुत किए गए जिसकी गहन समीक्षा पूज्य मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज ने की। संगोष्ठी में प्रो फूलचंद्र प्रेमी वाराणसी, डॉ शीतल चंद्र जैन जयपुर, डॉ जयकुमार जैन मुजफ्फरनगर, प्रोफेसर कमलेश

जैन वाराणसी, प्राचार्य अरुण कुमार जैन सांगानेर, प्रो अशोक कुमार जैन वाराणसी, प्रो विजय कुमार जैन लखनऊ, डॉ सुरेन्द्र जैन भारती बुरहानपुर,डॉ नरेन्द्र जैन टीकमगढ़, प्रो ऋषभचंद्र फौजदार दमोह,प्रो अनेकांत जैन दिल्ली,डॉ अनिल अनिल जैन प्राचार्य जयपुर, डॉ धर्मेंद्र जैन जयपुर, डॉ नरेन्द्र जैन सनावद, डॉ रांका जैन दिल्ली, डॉ उज्जवला गोसावी, डॉ पंकज जैन इंदौर, डॉ ज्योति जैन खतौली,डॉ राकेश जैन जयपुर, डॉ सुनील संचय ललितपुर,डॉ आनंद जैन वाराणसी,वैभव मेहेत्रे जालना, डॉ पुलक जबलपुर, डॉ किरण प्रकाश सांगानेर, महेंद्र जैन शास्त्री मुरैना, डॉ नीलम सराफ ललितपुर, अनन्त बल्ले सोलापुर, डॉ आशीष जैन बम्होरी दमोह, , प्राचार्य सतीश शास्त्री सांगानेर, संजीव शास्त्री महरौनी, डॉ आलोक रानू भोपाल, डॉ राजेन्द्र चिंतामणि जैन नागपुर, डॉ प्रदीप तारादेही, विदुषी निर्मला सांघी जयपुर, विदुषी मंजुलता छाबड़ा जयपुर, डॉ सुमित जैन उदयपुर, डॉ ज्योतिबाबू जैन उदयपुर, पार्श्व प्रसाद जैन अलीगंज, आलोक मोदी ललितपुर, प्रशांत भारिल्ल ब्यावर, दिनेश गंगवाल, राजकुमार शास्त्री जयपुर, राजेन्द्र सुमन सागर, विदुषी प्रियंका जैन सागर, मनोज शास्त्री भगवा सागर, डॉ संजय जैन , विदुषी मंजुलता छाबड़ा आदि विद्वानों ने अपने शोध पत्र विभिन्न सत्रों में प्रस्तुत किए। संगोष्ठी के सह संयोजक वैभव मैत्रे जालना, स्थानीय संयोजक राजेन्द्र सुमन, मनोज शास्त्री भगवा, डॉ संजय जैन रहे।

गुरुनानक देव जी ने इंसान को आडंबर रहित जीवन जीने का ढंग सिखाया

निरंकुश धर्मांधता, कट्टरता और सक्रमणशीलता के उस युग में गुरुनानक देव जी का जन्म 15 अप्रैल1469 में राय भोए की तलवंडी, ननकाना साहिब (अब पाकिस्तान) में हुआ। सिख धर्म का इतिहास गुरु नानक देव ही के जन्म से शुरू होता है। गुरु नानक देव जी के अंदर किसी प्रकार की राजनीति आकांक्षा नहीं थी। आप ने लोगों के धार्मिक और समाजिक जीवन में क्रांति लाने का एक अनूठा और सफल प्रयास किया। एक सरल और पवित्र, बिना मिलावट का ₹निर्मल पंथ₹ का प्रचार किया जिसका आधार परमेश्वर की प्रमुखता और मनुष्यों में भ्रातत्व भाव जाग्रत करना था। आपने भारत के परम्परागत आध्यात्मिक विचारों के चारों ओर जमी काई को काट फेंका। गुरु साहिब ने संन्यासवाद, भिक्षुवाद, जातिवाद, रूपवाद, शुचिता और अशुचिता संबंधी विचार, अंतहीन रीति रिवाज और कर्मकांड जिसने परमात्मा के प्रति मानवीय भक्ति को दूषित कर दिया था को पूरी तरह अस्वीकार कर दिया था। अज्ञानता के भंवरजाल में फंसे लोगों को ज्ञान का प्रकाश देने के लिए आपने अपने जीवन के 24साल खर्च कर चार बड़ी आध्यात्मिक यात्राओं (उदासियां) में गुजारे। विश्व भ्रमण के दौरान आपके करोड़ों अनुयाई बने और वो सभी एकेश्वरवाद से जुड़े। गुरु नानक देव जी निम्न, पिछड़ी और अछूत जाति-समुदाय प्रति अत्यधिक प्रेम का भाव रखते थे। उनका मानना था ईश्वर वहीं बसते हैं जहां इन उपेक्षित वर्गों की सार-संभाल होती है। आपका कथन है -

नीचा अंदरि नीच जाति नीची हू अति नीच।।
नानकु तिन कै संगि साथि वाडिया सिउ किआ रीस।।
जिथै नीच समालीअनि तिथै नदरि तेरी बखसीस।।

प्रसिद्ध शायर डॉक्टर मुहम्मद इकबाल गुरु नानक साहिब प्रति सुंदर भावना इस तरह व्यक्त करते हैं -

फिर उठी आखिर सदा, तौहीद की पंजाब से।।
हिंद को इक मर्दे-कालिम ने, जगाया ख्वाब से।।

गुरु नानक साहिब के इस धरती पर आगमन को सर्वत्र ज्ञान के प्रकाश के रूप में देखा जाता है। जहां अज्ञानता का अंधेरा मिट जाता है-

सतिगुरु नानकु प्रगटिआ ।
मिटी धुंध जगि चनानु होआ ।।
जिउ करि सूरजु निकलिआ ।

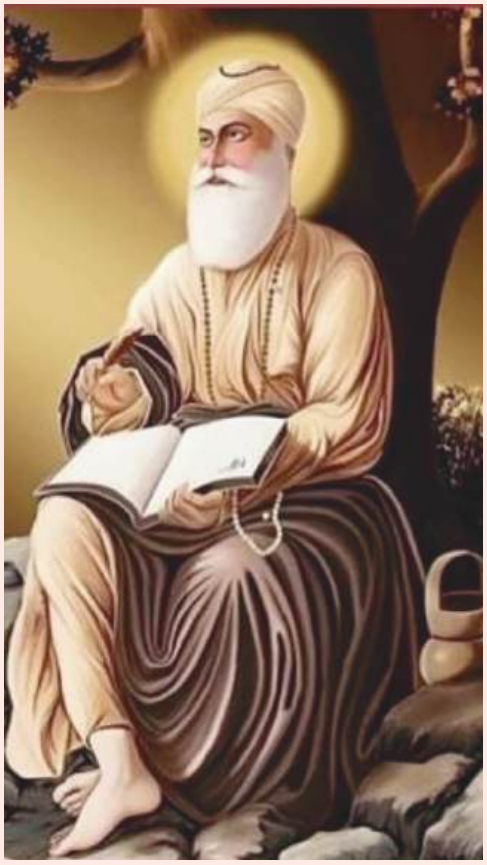

तारे छपि अंधेरु पलोआ।।

एक बार किसी ने गुरु जी से प्रश्न किया - आपकी नजर में हिन्दू बड़ा या मुसलमान? गुरु जी ने जवाब दिया नेक कर्मों के बिना दोनों का जीवन व्यर्थ है-

पुछनि फोलि किताब नो हिंदू वडा कि मुसलमानोई?
बाबा आखे हाजिआ सुभि अमला बाझहु दोनों रोई।

नारी की स्वतंत्रता, अस्मिता और सशक्तिकरण की बहुत बातें होती हैं। पर उसकी सुरक्षा और मान-सम्मान हेतु समूचा समाज आज भी उदासीन है। पुरुष प्रधान समाज में आज भी नारी को दोयम दर्जे की हैसियत दी जाती है, हेय दृष्टि से देखा जाता है। नारी के महत्व और उसकी सुरक्षा प्रति गुरुनानक देव जी ने अपनी चिंता व्यक्त की -

''सो किउ मंदा आखीए जितु जमहि राजान''

अर्थात पीरों-पैगंबरों, ऋषि मुनियों और राजा-महाराजाओं की जननी का स्तर निम्न कैसे हो सकता है?

जब गुरुनानक साहिब को उनके पिता कल्याण दास (कालू जी) ने 20रुपए दिए और कहा - मंडी जाओ और सौदा ला कर गांव में बेचो ताकि पारिवारिक भार उठने के तरीके सीख सको, ध्यान रहे सौदा सच्चा होना चाहिए। बालक गुरु नानक ने रास्ते में आ रहे भूखे प्यासे साधु-फकीरों को लंगर खिलाने में 20 रुपए खर्च कर डाले और बेरंग हाथ घर लौट आए और पिता से कहा- ''मैं सच्चा सौदा कर आया हूं।'' यह गुरुनानक का जीवन को परोपकार की दृष्टि से देखने का अपना ढंग था। आज भी सिख धर्म में लंगर को गुरुनानक की धरोहर के रूप में देखा जाता है। यह सच्चाई है कि भूखे को भोजन खिलाने के इलावा कोई विकल्प नहीं।

आपने अपने जीवन के अंतिम 18वर्ष करतारपुर (अब पकिस्तान) में बिताए वहां मनुष्य को जीवन जीने के तीन खूबसूरत तरीके सिखाए -

पहला, किरत करो (यानि श्रमयुक्त कर्म करो)
दूसरा, नाम जपो (प्रभु की आराधना करो)
और तीसरा वंड छको (बांट के खाओ)

इस उपदेश के माध्यम से आप उस बंधुता को व्यवहारिक परिणति देते थे जो आपके मत ₹परोपकार₹ का मुख्य लक्ष्य था। लंगर में यही भाव और उद्देश्य निहित था। गुरु नानक साहिब का यही जाति-विहीन समाज था जिसकी प्रमुखता एवं विशेषता - 'कीर्तन और उपदेश' थी जो मूर्ति पूजकों से उन्हें पृथक कर देती थी। उन्हें उस समय 'नानक पंथी' कहा जाता था। गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश पर्व पर देशवासियों को ढेर सारी शुभकामनाएं और बधाई।

ओंकार सिंह
संपादक,सिख जाग्रति,
जयपुर (9982222606)

रिलायंस और डिज्नी के बीच ज्वाइंट वेंचर के लिए लेनदेन पूरा

रिलायंस ने संयुक्त उद्यम में 11,500 करोड़ का निवेश किया

मुंबई/बरबैंक, कैलिफोर्निया. शाबाश इंडिया

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल), वायाकॉम 18 और द वॉल्ट डिज्नी कंपनी ने गुरुवार को घोषणा की कि वायाकॉम 18 के मीडिया और जियोसिनेमा व्यवसायों का स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में विलय पूरा हो गया है। एनसीएलटी मुंबई, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग और अन्य नियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुमोदन के बाद यह घोषणा की गई।इसके अलावा रिलायंस ने ज्वाइंट वेंचर में 11,500 रुपए करोड़ का निवेश किया है। ज्वाइंट वेंचर ने वायाकॉम 18 और आरआईएल को शेयर आवंटित कर दिए हैं। इस लेन-देन में जेवी का मूल्य पोस्ट-मनी आधार पर 70,352 रुपए करोड़ माना गया है। संयुक्त उद्यम पर आरआईएल का नियंत्रण रहेगा।

इसमें आरआईएल का 16.34 फीसदी, वायकॉम 18 का 46.82 फीसदी और डिज्नी का 36.84 फीसदी हिस्सा होगा। नीता एम. अंबानी संयुक्त उद्यम की अध्यक्ष होंगी, जबकि रणनीतिक मार्गदर्शन के लिए उदय शंकर को संयुक्त उद्यम का उपाध्यक्ष बनाया गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश डी. अंबानी ने कहा, इस ज्वाइंट वेंचर के गठन के साथ, भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग एक परिवर्तनकारी युग में प्रवेश कर रहा है।